

जन सुनवाई हेतु  
पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन  
एवं पर्यावरण प्रबन्धन योजना  
का

**कार्यकारिणी संक्षेप**

**प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना**

क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए),  
सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट)  
और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)

स्थित

ग्राम : गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी,  
तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर, छत्तीसगढ

आवेदक



**मेसर्स एसीसी लिमिटेड**

सीमेंट हाउस, 121, एम.के. सड़क,  
चर्च गेट, मुंबई -400020

ई-मेल: [vinay.kapur@acclimited.com](mailto:vinay.kapur@acclimited.com)

फोन नम्बर : 91-7882 286 427

## अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विशेष	पृष्ठ नं.
i.	परियोजना का नाम और स्थान (ग्राम, जिला, राज्य, औद्योगिक संपदा (यदि लागू हो)	1
ii.	उत्पाद और क्षमताएं। यदि विस्तार का प्रस्ताव है, तो पहले के पर्यावरण मंजूरी के संदर्भ में मौजूदा क्षमता वाले उत्पाद।	1
iii.	आपूर्ति के स्रोत के साथ भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता (मात्रात्मक)	2
iv.	संक्षेप में प्रक्रिया विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल प्रवाह और ठोस और खतरनाक अपशिष्टों का संकेत।	3
v.	पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय और निर्वहन या निपटान का तरीका।	5
vi.	परियोजना की पूंजीगत लागत, पूरा होने का अनुमानित समय।	7
vii.	परियोजना के लिए चयनित स्थल-भूमि की प्रकृति- कृषि (एकल/ दोहरी फसल), बंजर, सरकारी /निजी भूमि, इसके अधिग्रहण की स्थिति, निकट (2 – 3 किमी में) जल निकाय, जनसंख्या, 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग, वन, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र, सुगम्यता (नोट –औद्योगिक संपदा के मामले में यह जानकारी आवश्यक नहीं है)।	8
viii.	आधारभूत पर्यावरण डेटा-वायु गुणवत्ता, सतह और भूजल की गुणवत्ता, मिट्टी की विशेषता, वनस्पति और जीव, आस पास की आबादी की सामाजिक आर्थिक स्थिति।	10
ix.	जोखिम को कम करने के लिए प्रदान की गई खतरनाक सामग्री और सुरक्षा प्रणाली के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान।	11
x.	परियोजना का वायु, जल, भूमि, वनस्पति-जीव और आस पास की आबादी पर संभावित प्रभाव	12
xi.	प्राकृतिक या संयंत्र आपातस्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना	14
xii.	जनसुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे (यदि लागू हो) और जवाब	15
xiii.	प्रस्तावित व्यय के साथ सामाजिक-आर्थिक विकास योजना	15
xiv.	व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय	15
xv.	परियोजना के बाद निगरानी योजना	16



## कार्यकारिणी संक्षेप

- i) **परियोजना का नाम और स्थान (गांव, जिला, राज्य, औद्योगिक संपदा (यदि लागू हो))**  
मैसर्स एसीसी लिमिटेड एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए) ग्राम: गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़) का प्रस्ताव कर रही है; पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने हेतु ईआईए अध्ययन करने के लिए टीओआर पत्र एमओईएफएंडसीसी, नई दिल्ली द्वारा टी.ओ.आर. पत्र संख्या जे-1101/313/2019-आईए|| (I), के माध्यम से दिनांक 22 नवंबर, 2019 टीओआर और टीओआर में एक संशोधन पत्र 10 जनवरी, 2022 को जारी किया गया था।  
ईआईए अधिसूचना दिनांक 14 सितंबर, 2006 के अनुसार, जैसा कि इसमें संशोधन किया गया है परियोजना श्रेणी "ए" परियोजना या गतिविधि '3 (बी)' सीमेंट संयंत्रों के अंतर्गत आती है।
- ii) **उत्पाद और क्षमताएं – यदि विस्तार प्रस्तावित है, तो क्षमता वाले मौजूदा उत्पाद और पूर्व ईसी के संदर्भ में।**  
इससे पहले, मैसर्स एसीसी लिमिटेड "एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लंकर (2.72 एमटीपीए), सीमेंट (4.05 एमटीपीए), सीपीपी (65 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (10 मेगावाट) और डी.जी. सेट (1200 केवीए) स्थापित करने का प्रस्ताव ग्राम: गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़) रखा था "और टीओआर पत्र एमओईएफएंडसीसी, नई दिल्ली द्वारा टी.ओ.आर. पत्र संख्या जे-1101/313/2019-आईए|| (I), के माध्यम से दिनांक 22 नवंबर, 2019 को टीओआर जारी किया गया था।  
प्रस्तावित परियोजना की उत्पादन क्षमता तालिका- 1.1 में दी गई है:

### तालिका – 1.1

#### प्रस्तावित परियोजना की उत्पादन क्षमता

विशेष	प्रस्तावित क्षमता
क्लंकर	3.3 मिलियन टन प्रतिवर्ष
सीमेंट	1.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष
सीपीपी	30 मेगावाट
डब्ल्यू.एच.आर.एस	17 मेगावाट
डी.जी. सेट	2 x 2000 केवीए और 1x500 केवीए

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)

ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

झापटई.आई. ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

iii) **आपूर्ति के स्रोत के साथभूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता (मात्रात्मक)**

क) **भूमि की आवश्यकता.** कुल परियोजना क्षेत्र 112.26 हेक्टेयर है; जिसमें से 73.0593 हेक्टेयर सरकारी बंजर भूमि है और शेष 39.2007 हेक्टेयर निजी गैर-कृषि भूमि है। परियोजना क्षेत्र में कोई वन भूमि शामिल नहीं है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है।

**ख) कच्चे माल और ईंधन की आवश्यकता**

आवश्यक कच्चे माल की मात्रा, उनके स्रोत के साथ-साथ दूरी और परिवहन के साधन के बारे में विवरण नीचे दिया गया है –

क्र. सं.	कच्चा माल	मात्रा (मिलियन टन प्रतिवर्ष)	स्रोत	लगभग दूरी और परिवहन का तरीका
1	लाइमस्टोन	5.43	कैप्टिव लाइमस्टोन माइंस लीज	~0.5 किमी, ढके हुए कच्चेयर बेल्ट के माध्यम से माइंस से
2	बाक्साइट	0.121	ओडिशा / झारखंड / ओपन मार्केट	~367 किमी, रेल और सडक
3	लेटराइट	0.121	ओडिशा / झारखंड / ओपन मार्केट	~367 किमी, रेल और सडक
4	सैंड स्टोन	0.121	ओडिशा / झारखंड / ओपन मार्केट	~367 किमी, रेल और सडक
5	जिप्सम	0.12	राजस्थान / आयातित/ पारादीप फॉस्फेट या कोई अन्य उर्वरक संयंत्र	~ 593 किमी रेल और सडक
6	पलाई ऐश	0.53	छत्तीसगढ़ में विद्युत संयंत्र और सीपीपी	~ 20 किमीरेल और सडक
7	स्लैग	0.53	जेएसपीएल, भिलाई स्टील प्लांट,	~ 150 किमी रेल और सडक

स्रोत:प्री-फिजिबिलिटीरिपोर्ट

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – किलंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए) ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़) <i>ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</i>
---

### ग) ईंधन की आवश्यकता

आवश्यक ईंधन की मात्रा, उनके स्रोत के साथ दूरी और परिवहन के साधन के बारे में विवरण नीचे दिया गया है

क्र. सं.	ईंधन	मात्रा(मिलियन टन प्रतिवर्ष)	स्रोत	% ऐश	% सल्फर	कैलोरिफिक वैल्यू (किलोकैलोरिज/किग्रा)	लगभग दूरी और परिवहन का तरीका
<b>सीमेंट प्लांट</b>							
1	कोयला	0.65	एसईसीएल (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड)	35	0.5%	4000-5500	सड़क और रेल
2	पेटकोक	0.37	आयातित – सऊदी भारतीय – पारादीप	2.0% 2.0%	8% 8%	7500-8000 7500-8000	सड़क और रेल
<b>कैप्टिव पावर प्लांट</b>							
1	कोयला	0.3	एसईसीएल (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड)	50%	0.5%	3500-4000	सड़क और रेल

स्रोत: प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट

### घ) परियोजना के लिए अन्य बनियादी आवश्यकताएं

क्र. सं.	विशेष	विवरण		स्रोत
1	पानी (किलोलीटरप्रति दिन)	2650		लीलागढ नदी
2	बिजली (मेगावाट)	45		स्टेट ग्रिड, सीपीपी, डब्ल्यूएचआरएस और डी.जी. सेट (बैक-अप के लिए)
3	श्रमशक्ति (व्यक्तियों की संख्या)	ऑपरेशन चरण		उपयुक्त स्थानीय/आस-पास के स्थानीय लोगों को उनकी पात्रता मानदंड के अनुसार वरीयता दी जाएगी
नियमित		140		
संविदात्मक		222		
कुल		362		
		कार्यान्वयन चरण	2500	

स्रोत: प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट

- iv) प्रक्रिया विवरण संक्षेप में, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल बहिःस्राव और ठोस और खतरनाक अपशिष्टों को दर्शाता है। सामग्री संतुलन प्रस्तुत किया जाएगा।

**सीमेंट प्लांट:** सीमेंट प्लांट प्री-हीटिंग और प्री-कैल्सिनर टेक्नोलॉजी के साथ सीमेंट निर्माण के लिए ड्राई प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर आधारित है। सीमेंट निर्माण प्रक्रिया में मोटे तौर पर निम्नलिखित चरण शामिल हैं:

- ✓ खदान स्थल पर चूना पत्थर की क्रशिंग

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<p>ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</p>

- ✓ स्टेकर और रिक्लेमर द्वारा क्रश किए हुए चूना पत्थर का पूर्व सम्मिश्रण
- ✓ ग्राइंडिंग-कम- कच्चे माल और कोयले को सूखाना/वीआरएम में पेटकोक
- ✓ सम्मिश्रण साइलो में रा मील का समरूपीकरण
- ✓ रा मील का प्रीहीटर, कैल्सिनर और कूलर के साथ रोटरी भट्टा में क्लिंकराइजेशन
- ✓ सीमेंट की ग्राइंडिंग, भंडारण और पैकिंग।

### वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम

मैसर्स एसीसी लिमिटेड विद्युत शक्ति उत्पन्न करने और ग्रिड बिजली की निरंतर खपत के लिए प्री-हीटर/कूलर से निकास गैसों के पुनः उपयोग के लिए (17 मेगावाट) वेस्ट हीट रिकवरी की स्थापना का भी प्रस्ताव कर रहा है। यह परियोजना ऊर्जा के अधिक कुशल उपयोग में योगदान देगी और संपूर्ण जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेगी। वेस्ट हीट रिकवरी सिस्टम में क्रमशः प्री-हीटर और भट्टा से गर्मी को पुनर्प्राप्त करने के लिए दो प्रकार के बॉयलर यानी पीएच बॉयलर और एक्यूसी बॉयलर शामिल होंगे।

### क) गैसीय उत्सर्जन, तरल बहिष्प्राव एवं ठोस और संकटकारी अपशिष्ट

विशेष	प्रकार	स्रोत	शमन के उपाय
उत्सर्जन	पीएम, सॉक्स, नॉक्स	सीमेंटप्लांट	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ पर्याप्त स्टैक ऊंचाई।</li> <li>○ लो नॉक्स बर्नर और डी-नॉक्स सिस्टम की स्थापना</li> <li>○ पायरो-प्रक्रिया स्वयं एक लंबे सॉक्स स्क्रबर के रूप में कार्य करती है</li> <li>○ ईएसपी, आरएबीएच, बैग हाउस और बैग फिल्टर जैसे प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थापना और बेहतर रखरखाव।</li> <li>○ ढके हुए कन्वेयर बेल्ट का उपयोग संयंत्र के अंदर कच्चे माल/तैयार उत्पादों के हस्तांतरण के लिए किया जाएगा।</li> </ul>
			<ul style="list-style-type: none"> <li>○ सभी सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं पर बैग फिल्टर लगाए जाएंगे</li> <li>○ फलाई ऐश को बंद बल्करों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा और वायवीय प्रणाली के माध्यम से साइलो में डाला जाएगा।</li> <li>○ क्लिंकर, फलाई ऐश और सीमेंट को साइलो में संग्रहित किया जाएगा।</li> <li>○ जिप्सम, कोयला, पेटकोक, स्लैग और एएफआर को ढके हुए शेड में संग्रहित किया जाएगा।</li> <li>○ गैसीय उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहनों का उचित नियमित रखरखाव किया जाएगा।</li> <li>○ पीयूसी प्रमाणित वाहनों का उपयोग</li> <li>○ बेहतर हाउसकीपिंग के लिए वैक्यूम स्वीपिंग मशीनें।</li> <li>○ पीएम उत्सर्जन स्तर को कम करने के लिए आवश्यक स्थानों पर पानी के छिड़काव की व्यवस्था के साथ-साथ प्लांट परिसर के अंदर पक्की सड़कें बनाई जाएंगी।</li> <li>○ संयंत्र परिसर के आसपास/अंदर हरित पट्टी विकसित की जाएगी।</li> </ul>

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<p>ड्राफ्टईआईए./ईएमपी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</p>

विशेष	प्रकार	स्रोत	शमन के उपाय
			<ul style="list-style-type: none"> <li>○ सीपीसीबी और सीआरईपी दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।</li> </ul>
पयजूटीव उत्सर्जन	एसपीएम	संयंत्र गतिविधियों	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ सूखी फ्लायैश को बंद टैंकरों में ले जाया जाएगा।</li> <li>○ क्लिंकर, फ्लायैश और सीमेंट को साइलो में और जिप्सम को ढके हुए शेड में संग्रहित किया जाएगा।</li> <li>○ ढके हुए कन्वेयर बेल्ट का उपयोग संयंत्र के अंदर कच्चे माल/तैयार उत्पादों के हस्तांतरण के लिए किया जाएगा।</li> <li>○ सभी सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं पर बैग फिल्टर लगाए जाएंगे।</li> <li>○ पयजूटीव उत्सर्जन को रोकने के लिए संयंत्र स्थल के परिसर के आसपास/अंदर हरित पट्टी विकसित की जाएगी।</li> <li>○ सामग्री को ऊंचाई से गिरने से बचाने के लिए ट्रकों की अनलोडिंग की जाएगी।</li> <li>○ वाहनों की आवाजाही के कारण उत्पन्न होने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए संयंत्र में आंतरिक सड़कों के किनारे पानी का छिड़काव किया जाएगा।</li> <li>○ गैसीय उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहनों का नियमित रखरखाव किया जाएगा।</li> <li>○ यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को हर समय पूरा किया जाएगा, सीपीसीबी/सीईसीबी मानदंडों के अनुसार नियमित परिवेशी वायु गुणवत्ता और स्टैक उत्सर्जन निगरानी की जाएगी।</li> </ul>
प्रक्रिया अपशिष्ट जल	अपशिष्ट जल	आरओ प्लांट और डब्ल्यू.एच.आर.एस	<p>आरओ रिजेक्ट वॉटर और डब्ल्यू.एच.आर.एस बॉयलर ब्लो डाउन वॉटर को मिल स्प्रे में दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा।</p> <p>सीपीपी और डब्ल्यूएचआरएस से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उचित निष्प्रभावीकरण के बाद धूल को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाएगा।</p>
घरेलू अपशिष्ट	अपशिष्ट जल	प्लांट	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ 176 के.एल.डी. अपशिष्ट जल के उपचार के लिए 250 केएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया जाएगा, जो पीने और घरेलू अपशिष्ट जल से उत्पन्न होगा।</li> <li>○ एसटीपी से 100% उपचारित सीवेज का उपयोग ग्रीनबेल्ट विकास और वृक्षारोपण में किया जाएगा।</li> </ul>
ठोस और खतरनाक बेकार	सीमेंट धूल	सीमेंट प्लांट	विभिन्न एपीसीई से एकत्रित धूल को इस प्रक्रिया में पूरी तरह से पुनर्चक्रित किया जाएगा।
	एमएसडब्ल्यू	प्लांट	बायो-डिग्रेडेबल कचरे को जैविक खाद में परिवर्तित किया जाएगा और खाद का उपयोग ग्रीनबेल्ट विकास और वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
	एसटीपी कीचड़	एसटीपी	एसटीपी से उत्पन्न सीवेज कीचड़ का उपयोग हरित पट्टी विकास और वृक्षारोपण में खाद के रूप में किया जाएगा।
	प्रयुक्त या खर्च किया हुआ तेल	संयंत्र रखरखाव	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ उपयोग किए गए तेल / खर्च किए गए तेल का उपयोग भट्टा में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार सह-प्रसंस्करण के रूप में किया जाएगा।</li> </ul>
फ्लायैश और			

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)

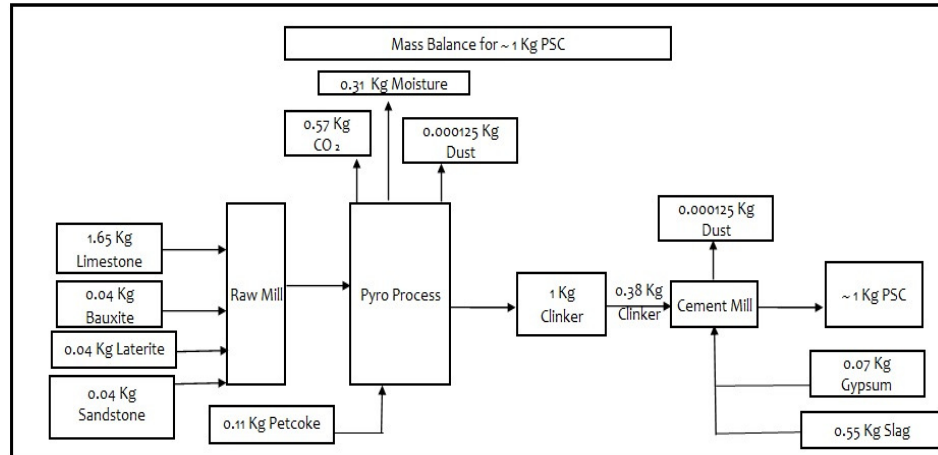
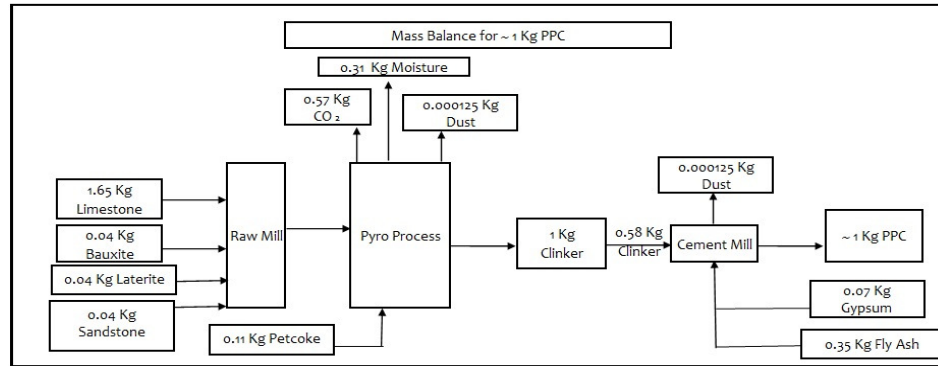
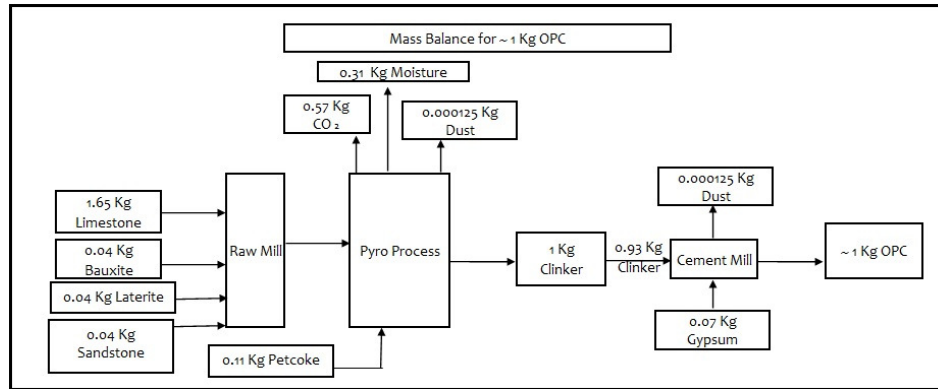
ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

विशेष	प्रकार	स्रोत	शमन के उपाय
	बॉटम ऐश		<ul style="list-style-type: none"> <li>लेड एसिड बैटरी और ई-कचरा सीईसीबी/सीपीसीबी अधिकृत रिसाइकलर्स को बेचा जाएगा।</li> <li>प्रस्तावित सीपीपी से उत्पन्न फलाई ऐश और बॉटम ऐश का उपयोग सीमेंट निर्माण प्रक्रिया में किया जाएगा।</li> </ul>
	व लेड एसिड बैटरी और ई-कचरा		

### ख) सामग्री संतुलन

ओपीसी/, पीपीसी, पीएससी और कम्पोजिट सीमेंट के निर्माण के लिए सामग्री/मास बैलेंस आरेख नीचे दिखाया गया है –

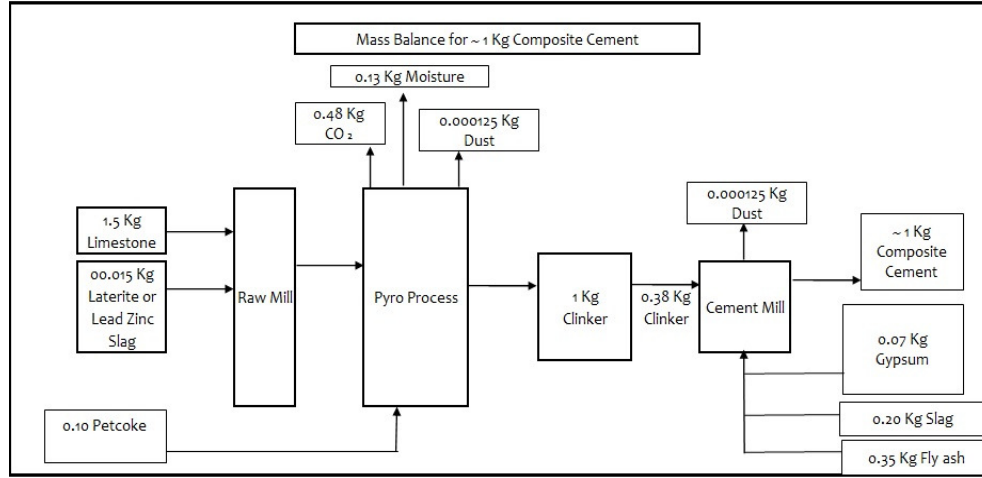




प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)

ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप



v) पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय और निर्वहन या निपटान का तरीका।

विवरण	विवरण
वायु गुणवत्ता प्रबंध	<ul style="list-style-type: none"> <li>४० 30 mg/Nm<sup>3</sup> की निर्धारित सीमा के भीतर पीएम उत्सर्जन स्तर को बनाए रखने के लिए सभी प्रमुख स्टैक पर कुशल एपीसीई स्थापित किए जाएंगे।</li> <li>४० संयंत्र में और सभी सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं पर विभिन्न धूल पैदा करने वाले बिंदुओं से निकलने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए बैग फिल्टर प्रदान किए जाएंगे।</li> <li>४० लो नॉक्सबर्नर और डी- नॉक्ससिस्टम लगाया जाएगा।</li> <li>४० सूखी प्लाई ऐश को बंद टैंकरों में ले जाया जाएगा</li> <li>४० क्लिंकर, प्लाई ऐश और सीमेंट को साइलो में और जिप्सम, कोयला, एएफआर को ढके हुए शेड में संग्रहित किया जाएगा।</li> <li>४० पयूजीटीवउत्सर्जन को रोकने के लिए संयंत्र स्थल के परिसर के आसपास/अंदर हरित पट्टी विकसित की जाएगी।</li> <li>४० सामग्री को ऊंचाई से गिरने से बचाने के लिए ट्रकों की अनलोडिंग की जाएगी।</li> <li>४० वाहनों की आवाजाही के कारण उत्पन्न होने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए संयंत्र में आंतरिक सड़कों के किनारे पानी का छिड़काव किया जाएगा।</li> <li>४० गैसीय उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहनों का नियमित रखरखाव किया जाएगा।</li> <li>४० यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को हर समय पूरा किया जाएगा, सीपीपीबी / सीईसीबीमानदंडों के अनुसार नियमित परिवेशी वायु गुणवत्ता और स्टैक उत्सर्जन निगरानी की जाएगी।</li> </ul>
जल प्रबंधन	<ul style="list-style-type: none"> <li>४० सीपीपी और डब्ल्यूएचआरएस से आरओ रिजेक्ट वॉटर को न्यूट्रलाइज करने के बाद धूल को दबाने के लिए पुनः उपयोग किया जाएगा।</li> <li>४० संयंत्र से उत्पन्न घरेलू अपशिष्ट जल (176 KLD) को STP (क्षमता – 250 KLD) में उपचारित किया जाएगा और उपचारित जल का उपयोग ग्रीनबेल्ट विकास/वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।</li> <li>४० प्लांट परिसर के अंदर और बाहर रेन वाटर हार्वेस्टिंग किया जाएगा।</li> </ul>

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<p>ड्राफ्टईआईए./ईएमपी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</p>

विवरण	विवरण
ध्वनिप्रबंधन	<ul style="list-style-type: none"> <li>४० व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) अर्थात उच्च ध्वनि स्तर के संपर्क में आने वाले कर्मचारियों को इयरप्लग और ईयरमफ प्रदान किए जाएंगे।</li> <li>४० शोर को कम करने के लिए नियमित अंतराल पर मशीनों का उचित रखरखाव, तेल लगाने और ग्रीसिंग करने का काम किया जाएगा।</li> <li>४० शोर स्तर को नियंत्रित करने के लिए संयंत्र के सभी सुरक्षा वाल्वों और टर्बाइन वेंट वाल्वों को साइलेंसर प्रदान किया जाएगा।</li> <li>४० बंद भवन में कम्प्रेसर और टर्बाइन की स्थापना।</li> <li>४० संयंत्र की सीमा के चारों ओर हरित पट्टी विकसित की जाएगी।</li> <li>४० ध्वनि स्तरों की नियमित निगरानी की जाएगी और संबंधित मशीनरी में यथासंभव सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे।</li> </ul>
ठोस और खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन	<ul style="list-style-type: none"> <li>४० विभिन्न वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों से एकत्रित धूल को 100: पुनर्नवीनीकरण किया जाएगा।</li> <li>४० एसटीपी से उत्पन्न सीवेज कीचड़ को हरित पट्टी विकास में खाद के रूप में उपयोग किया जाएगा।</li> <li>४० प्लांट एवं कालोनी से उत्पन्न नगरीय ठोस अपशिष्ट को अलग-अलग करके निस्तारित किया जाएगा</li> <li>४० कचरे को बायो-डिग्रेडेबल और नॉन-डिग्रेडेबल में बदला जा सकता है। बायो-डिग्रेडेबल कचरे से होगी खाद और खाद का उपयोग हरित पट्टी विकास/वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा; और गैर-अपघटनीय कचरे का उचित निस्तारण किया जाएगा।</li> <li>४० उपयोग किए गए तेल / खर्च किए गए तेल का उपयोग भट्टा में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार सह-प्रसंस्करण के रूप में किया जाएगा।</li> <li>४० लेडएसिड बैटरी और ई-कचरा सीईसीबी ध्वनीपीसीबी अधिकृत रिसाइकलर्स को बेचा जाएगा।</li> </ul>
हरित विकास/वृक्षारोपण पट्टी	<ul style="list-style-type: none"> <li>४० कुल परियोजना क्षेत्र में से अर्थात 112.26 हेक्टेयर, लगभग। 33% क्षेत्र (अर्थात 37.04 हेक्टेयर) को हरित पट्टी/वृक्षारोपण के अंतर्गत कवर किया जाएगा।</li> <li>४० 85-90 % की उत्तरजीविता दर को ध्यान में रखते हुए प्रति हेक्टेयर लगभग 2500 पौधे लगाने का प्रस्ताव है।</li> <li>४० अजादिराष्टा इंडिका (नीम), फिकस रिलिजिओसा (पीपल), पॉलीआल्थिया लॉगिफोलिया (अशोक), पिथेसेलोबियम डल्स (जंगल जलेबी), फिकस रिलिजिओसा (पीपल), टेक्टोना ग्रैंडिस (सागौन), डेलोनिकस रेजिया (गुलमोहर), (मैंगोफेरा इंडिका) जैसी पौधों की प्रजातियां ), नेरियम इंडिकम (कनेर), बबूल रैबिका (गोंड), कैसिया फिस्टुला (अमल्टास) और कोनोकार्पस इरेक्टस (दुबई का पेड़) लगाया जाएगा।</li> </ul>

vi) परियोजना की पूंजीगतलागत, पूरा होने का अनुमानित समय।

क्रमांक	विवरण	विवरण
1	परियोजना की कुललागत	रु. 2407 करोड
2	पर्यावरणप्रबंधन योजना की लागत	पूंजीगत लागत: रु 240 करोड रुपये आवर्ती लागत: रु 12.0 करोड / वर्ष
3	परियोजना के पूरा होने का समय	33 – 36 महीने (सभी नियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद)

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – किलकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए) ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
<i>ड्राफ्टईआई.ए./ईएमपी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</i>

vii) परियोजना के लिए चयनित साइट-भूमि की प्रकृति- कृषि (एकल/दोहरी फसल), बंजर, सरकार। / निजी भूमि, इसकेअधिग्रहण की स्थिति, निकट (2-3 किमी में) जल निकाय, जनसंख्या, 10 किमी के भीतरअन्य उद्योग, वन, पर्यावरण के प्रतिसंवेदनशील क्षेत्र, पहुंच (नोट-औद्योगिक संपदा के मामले में यह जानकारी आवश्यक नहीं है)

**क) भूमि की प्रकृति**

प्रस्तावित संयंत्र के लिए आवश्यक भूमि क्षेत्र 112.26 हेक्टेयर है; जिसमें से 73.0593 हेक्टेयर सरकारी है। बंजर भूमि और शेष 39.2007 निजी गैर-कृषि भूमि है। कोई वन भूमि शामिल नहीं है।

**ख) इसके अधिग्रहण की स्थिति**

भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाधीन है।

**ग) निकटवर्ती (2-3 किमी में) जल निकाय, जंगल, पर्यावरण के प्रतिसंवेदनशील क्षेत्र, एक्सेसिबल।**

क्रमांक	विवरण	विवरण (निकटतम परियोजना सीमा से अनुमानित हवाई दूरी और दिशा के साथ)
1.	निकटतमगांव	गोदाडीह (उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में 460 मीटर)
2.	निकटतम शहर	मस्तूरी (उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में 22 किमी)
3.	निकटतम नगर	बिलासपुर (उत्तर पश्चिम दिशा में 36.5 किमी)
4.	निकटतमराष्ट्रीय राजमार्ग / राज्य राजमार्ग	NH-49 (उत्तर दिशा में 12.5 किमी)
5.	निकटतमरेलवेस्टेशन	बिलासपुर (उत्तर पश्चिम दिशा में 33.25 किमी)
6.	निकटतमहवाईअड्डा	स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रायपुर (दक्षिण पश्चिम दिशा में 91.5 किमी)
7.	10 किमी के दायरे में राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, हाथी और टाइग्रे रिजर्व और अन्य वन्यजीव गलियारे	कोई भी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व और रिजर्व फॉरेस्ट (आर एफ) / संरक्षित वन (पीएफ) परियोजना स्थल के 10 किमी के दायरे में नहीं आता है।
8.	नदी / जलनिकाय (10 किमी के दायरे में)	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ लीलागढ़ नदी (पूर्व दिशा में 1.7 किमी)</li> <li>○ सिवनाथ नदी (दक्षिण पूर्व दिशा में 6.6 किमी)</li> <li>○ कुरंग लेफ्ट बैंक कैनल (पश्चिम दिशा में निकट)</li> <li>○ मल्हार बांध (उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में 8.0 किमी)</li> </ul>
9.	भूकंपीय क्षेत्र जोन	जोन -II[आईएस 1893 के अनुसार (भाग-I): 2002]

**घ) अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरेमेंउद्योगों की सूची।**

संयंत्र स्थल के 10 किमी के दायरे में प्रमुख उद्योग इस प्रकार हैं:

क्रमांक	उद्योग का नाम	उद्योग का प्रकार	संयंत्र स्थल से लगभगदूरीऔरदिशा
1.	लाइमस्टोन माइन, जिंदल स्टील एंड पावर	लाइमस्टोन माइन	~3.26 किमी पश्चिम दिशा में
2.	जेएसपीएल चिल्हाटी माइंस	लाइमस्टोन माइन	~3.45 किमी पश्चिम दिशा में
3.	एसीसी लाइमस्टोन माइन	कैप्टिव लाइमस्टोन माइन	~3.91 किमी पश्चिम दिशा में

viii) आधारभूत पर्यावरण डेटा—वायुगुणवत्ता, सतह और भूजल की गुणवत्ता, मिट्टी की विशेषता, वनस्पति और जीव, आसपास की आबादी की सामाजिक आर्थिक स्थिति।

क) आधारभूत पर्यावरण डेटा (वायु, ध्वनि, जल और मिट्टी)

परियोजना के लिए अध्ययन क्षेत्र का आधारभूत अध्ययन पश्च मानसून सीजन (अक्टूबर से दिसंबर, 2021) के दौरान किया गया था। परिवेशी वायु गुणवत्ता को आठ एएक्यूएम स्टेशनों पर मापा गया। PM<sub>2.5</sub> के लिए मनाया गया मान 24.5 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (कैप्टिव माइन साइट पर) से 40.8 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (ग्राम चिल्हाटी) और PM<sub>10</sub> 52.3 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (कैप्टिव माइन साइट पर) से 74.5 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (ग्राम धुरुवाकारी में) के बीच पाया गया।

जहां तक गैसीय प्रदूषक SO<sub>2</sub> और NO<sub>2</sub> का संबंध है, SO<sub>2</sub> और NO<sub>2</sub> की सांद्रता 5.7 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (कैप्टिव माइन साइट पर) से 13.4 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (ग्राम चिल्हाटी में) और 11.3 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (कैप्टिव माइन साइट पर) से 24.3 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर (ग्राम चिल्हाटी में) क्रमशः के बीच पाई गई। CO की सांद्रता BDL से 0.83 मिलीग्रामप्रतिघन मीटर (ग्राम धुरुवाकारी में) के बीच पाई गई।

आठ स्थानों पर परिवेशी ध्वनि स्तरों की निगरानी की गई। शोर का स्तर परियोजना स्थल पर 50.7 Leq dB (l) से 53.9 Leq dB (l) ग्राम चिल्हाटी में दिन के समय और 39.8 Leq dB (l) से परियोजना स्थल पर 44 Leq dB (l) गांव लोहारसी में रात के समय के बीच है।

सतही जल के नमूने लीलागढ़ नदी, सिवनाथ नदी, मल्हार बांध से एकत्र किए गए थे क्योंकि अध्ययन अवधि के दौरान शेष जल निकाय सूखे पाए गए थे। विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि सतही पानी के नमूनों का पीएच 7.23 से 7.69 पाया गया, जो प्रकृति में थोड़ा क्षारीय दर्शाता है। कुल कठोरता (188.18 से 210.15 मिलीग्राम/लीटर), कुल घुलित ठोस (329.0 से 377.0 मिलीग्राम/लीटर), कुल क्षारीयता (126.54 से 194.75 मिलीग्राम/ली) और चालकता (539.0 से 581.0 माइक्रोग्राम/सेमी) पानी के नमूने मानकों के भीतर पाए गए।

सभी आठ-नमूना स्थानों के लिए भूजल विश्लेषण से पता चलता है कि पीएच 7.21 से 7.89 तक भिन्न होता है जो थोड़ा क्षारीय प्रकृति का संकेत देता है; और अधिकतम पीएच गांव कुकुरडी में दर्ज किया गया। कुल कठोरता 232.6 से 485.1 मिलीग्राम / लीटर तक भिन्न होती है। कुल घुलित ठोस 398 से 769 मिलीग्राम / लीटर के बीच भिन्न होता है।

आठ स्थानों पर मिट्टी की निगरानी की गई और विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि मिट्टी थोड़ी तटस्थ से मध्यम क्षारीय प्रकृति की है, जिसमें पीएच रेंज 7.09 से 7.89 तक है, जिसमें कार्बनिक पदार्थ 0.54% से 10.78% है। सभी स्थानों पर मिट्टी की बनावट सिल्की मिट्टी और रेतीली मिट्टी थी। उपलब्ध नाइट्रोजन 223.53 किग्रा/हेक्टेयर से 312.56 किग्रा/हेक्टेयर तक है। फास्फोरस 33.35 किग्रा/हेक्टेयर से 74.74 किग्रा/हेक्टेयर तक होता है जबकि पोटेशियम 202.68 किग्रा/हेक्टेयर से 391.04 किग्रा/हेक्टेयर तक होता है।

**जैविक पर्यावरण (वनस्पति और जीव)**

**वनस्पति:** अध्ययन क्षेत्र में 87 पेड़, 50 झाड़ियाँ, 7 जड़ी-बूटियाँ घास की 19 प्रजातियाँ, 16 जलीय प्रजातियाँ और पर्वतारोहियों की 6 प्रजातियाँ प्राथमिक अवलोकन के साथ-साथ द्वितीयक आँकड़ों से एकत्रित जानकारी के आधार पर पाई गई हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण और एनविस, एमओईएफसीसी द्वारा फ्लोरा की सूची के अनुसार; अध्ययन क्षेत्र में कोई स्थानिक, संकटापन्न और दुर्लभ प्रजाति की वनस्पतियों को संकटग्रस्त स्थिति में नहीं देखा गया है।

**जीव-जंतु:** अध्ययन क्षेत्र से जीवों में स्तनधारियों की 21 प्रजातियाँ, हर्पेटो-जीवों (सरीसृप और उभयचर) की 18 प्रजातियाँ और तितली और आर्थ्रोपॉड की 16 प्रजातियाँ पाई गईं। अध्ययन क्षेत्र में एविफौना की 58 प्रजातियाँ पाई गईं।

प्रस्तावित परियोजना का वनस्पतियों और जीवों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि कंपनी द्वारा ग्रीनबेल्ट के विकास, एपीसीई की स्थापना आदि जैसे उचित शमन उपाय किए जाएंगे। प्राथमिक सर्वेक्षण और द्वितीयक आँकड़ों के आधार पर, अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कोई अनुसूची-1 प्रजाति नहीं पाई गई।

**ख) सामाजिक-आर्थिकवातावरण**

2011 की जनगणना के रिकॉर्ड के अनुसार 10 किमी के दायरे में बफर जोन के लिए जनसंख्या 70,762 है। अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या का अनुसूचित जाति अंश (10 किमी) 22,498 (32%) और अनुसूचित जनजाति 6438 (9%) है। साक्षरता का प्रतिशत 57.20% है और वास्तव में व्यवसाय में लगे श्रमिकों का 48% है, जिसमें मुख्य श्रमिकों का 24% और सीमांत श्रमिकों का 25% शामिल है। कुल जनसंख्या का शेष 51%, गैर-श्रमिक के रूप में माना जाता है।

अध्ययन क्षेत्र में 80 प्राथमिक विद्यालय, 49 माध्यमिक विद्यालय, 7 माध्यमिक विद्यालय और 7 उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं लेकिन क्षेत्र में उच्च अध्ययन के लिए कोई उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। अध्ययन क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में 3 पीएचसी, 17 पीएचएससी, 02 मातृत्व और बाल देखभाल कल्याण केंद्र आदि हैं। गांव के लोग नल के पानी, कुएं, नलकूप, हैंडपंप, नदी आदि से पीने के पानी की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। कुछ गांवों में टैंकर के माध्यम से भी पानी की आपूर्ति की जाती है।

**ix) जोखिम को कम करने के लिए प्रदान की गई खतरनाक सामग्री और सुरक्षा प्रणाली के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान।**

शमन उपायों के साथ जोखिम मूल्यांकन तालिका

क्रमांक	गतिविधि	सम्बंधित खतरे	सम्बंधित जोखिम/स्वास्थ्य प्रभाव	शमनउपाय
1.	कच्चेमाल और रसायनों का भंडारण और संचालन	गर्मी, आग और धूल	फ्यूजीटीव उत्सर्जन के कारण एक्सपोजर, शारीरिक चोट, जलन, वायु प्रदूषण	<ul style="list-style-type: none"> <li>पीपीई का उपयोग।</li> <li>लगातार पानी का छिड़काव</li> <li>कामगारों को उचित संचालन के लिए प्रशिक्षण</li> </ul>

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए) ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़) ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप
--

क्रमांक	गतिविधि	सम्बंधित खतरे	सम्बंधित जोखिम/स्वास्थ्य प्रभाव	शमनउपाय
				<ul style="list-style-type: none"> <li>लोडिंग और अनलोडिंग संचालन के लिए उचित प्रणाली</li> <li>अग्निशमन और प्राथमिक चिकित्सा सुविधा।</li> <li>भंडारण इग्निशन स्रोत से दूर होना चाहिए।</li> <li>उचित हाउसकीपिंग सुविधाएं।</li> </ul>
2	सीमेंटसंयंत्र मेंकामकरना	गर्मी, आग, धूल, धुआं और विस्फोट	विस्फोट, शारीरिक चोटें, जलन, वायुप्रदूषण, कार्बनऑक्साइड विषाक्तता	<ul style="list-style-type: none"> <li>अग्निशमन और प्राथमिक चिकित्सा सुविधा।</li> <li>पीपीई का उपयोग।</li> <li>बैग हाउस ईएसपी / बैग फिल्टर जैसे उचित एपीसीई का उपयोग।</li> <li>ढके हुए कन्वेयर बेल्ट।</li> <li>निरीक्षण और नियमित निगरानी।</li> <li>कच्चेमाल के उचित संचालन के लिए श्रमिकों को प्रशिक्षण।</li> </ul>
3	एपीसीडी विफलता	परिवेशीवायु में पीएम की रिलीज	वायुप्रदूषण	<ul style="list-style-type: none"> <li>नियमित निगरानी और निरीक्षण किया जाएगा।</li> <li>एपीसीडी की विफलता के मामले में संयंत्र तुरंत बंद होजाएगा।</li> </ul>
4	ऊंचाई पर काम करना	ऑपरेटरों का फिसलना लड़खड़ाहट और गिरना	शारीरिकचोट	<ul style="list-style-type: none"> <li>श्रमिकों की व्यक्तिगत सतर्कता।</li> <li>प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स उपलब्ध कराए जाएंगे।</li> </ul>
5	विद्युत रखरखाव काय	बिजली का झटका, बिजली कक्ष में शॉर्टसर्किट	बिजली के झटके,चोट या जलना	<ul style="list-style-type: none"> <li>विद्युत इकाइयों की नियमित जांच और रखरखाव।</li> <li>पीपीई का उपयोग।</li> <li>प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स का प्रावधान</li> </ul>
6	डीजी सेट के पास कार्यरत आपातकाल के दौरान	उच्च शोर	शोर प्रेरित सुनवाई हानि	श्रमिकों को पीपीई का प्रावधान।

x) परियोजना का वायु, जल, भूमि, वनस्पति-जीवोंऔरआसपास की आबादीपरसंभावितप्रभाव।

क्रमांक	गतिविधि	पक्ष	प्रभाव	शमन/उपाय
1.	सड़कमार्ग से चूनापत्थर और अन्य कच्चेमाल	पयूजीटीव धूल उत्सर्जन और पयूजीटीव धूल	<ul style="list-style-type: none"> <li>कोई बडा असर नहीं होगा</li> <li>केवल, बहुत कम मात्रा में</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्टेकर फीड पॉइंट में ढके हुए कन्वेयर बेल्ट के ऊपर वाटर स्प्रे नोजल।</li> </ul>

प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 X 2000 केवीए और 1 X 500 केवीए)

ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

क्रमांक	गतिविधि	पक्ष	प्रभाव	शमन/उपाय
	का परिवहन	उत्सर्जन	पयूजीटीव धूल की सांद्रता में वृद्धि होगी।	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानांतरण बिंदुओं पर बैग फिल्टर की स्थापना।</li> <li>ढके हुए कन्वेयर बेल्ट और संयंत्र की परिधि के किनारे हरित पट्टी का विकास।</li> </ul>
2.	सड़क मार्ग से अन्य कच्चे माल का परिवहन		परिवेशी वायु में धूलकणों की मात्रा में वृद्धि जो जैविक पर्यावरण को प्रभावित करेगी।	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिवेशी वायु में धूलकणों की मात्रा में वृद्धि जो जैविक पर्यावरण को प्रभावित करेगी।</li> <li>वाहनों को तिरपाल से ढका जाना चाहिए और अधिक लोड नहीं होना चाहिए।</li> <li>गति सीमा 10 किमी/घंटा से कम रखी जाएगी।</li> <li>प्लांट परिसर में पक्की सड़क।</li> </ul>
3.	कच्चा माल और तैयार उत्पाद – भंडारण और हैंडलिंग	पार्टिकुलेट मैटर एमिशन	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिवेशी वायु में धूलकणों की मात्रा में वृद्धि।</li> <li>अधिक धूल वाले क्षेत्र में कार्य करने के कारण सांस की बीमारियों से प्रभावित श्रमिक।</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>जिप्सम, कोयला, पेटकोक के भंडारण के लिए कवर्ड यार्ड।</li> <li>श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण।</li> </ul>
4.	कच्चे मिश्रण की तैयारी	पार्टिकुलेट मैटर एमिशन	परिवेशी वायु में पार्टिकुलेट मैटर की सांद्रता में वृद्धि।	<ul style="list-style-type: none"> <li>ढकी हुई कन्वेयर बेल्ट द्वारा कच्ची मिल तक सामग्री का परिवहन।</li> <li>सभी सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं पर बैग फिल्टर की स्थापना</li> </ul>
5.	क्लिंकराइजेशन (कैल्सीनेशन) क्लिंकर ग्राइंडिंग/सीमेंट मिल (फ्लाई ऐश हैंडलिंग सहित)	पार्टिकुलेट मैटर एमिशन, गैसीय एमिशन और फ्यूजिटिव डस्ट एमिशन	पार्टिकुलेट मैटर, SO <sub>2</sub> और NO <sub>2</sub> में वृद्धि और वायु वातावरण में धूल की धूल की मात्रा में वृद्धि	<ul style="list-style-type: none"> <li>बैग हाउस, बैग फिल्टर और ईएसपी जैसे पर्याप्त एपीसीई की स्थापना।</li> <li>लो नॉक्सबर्नर</li> <li>हरित पट्टी और वृक्षारोपण का विकास।</li> <li>श्रमिकों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (चश्मे, मास्क, जूते, दस्ताने, हेलमेट, ईयर प्लग आदि)।</li> </ul>
		पार्टिकुलेट मैटर एमिशन एंड फ्यूजिटिव डस्ट एमिशन	वायु पर्यावरण में पार्टिकुलेट मैटर और फ्यूजिटिव डस्ट की सघनता में वृद्धि	<ul style="list-style-type: none"> <li>बैग हाउस और बैग फिल्टर की स्थापना।</li> <li>फ्लाई ऐश को बंद बल्करों से प्राप्त किया गया और</li> </ul>

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लिंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<p>ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</p>

क्रमांक	गतिविधि	पक्ष	प्रभाव	शमन/उपाय
				<p>न्यूमेटिक सिस्टम के माध्यम से साइलो में डाला गया।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>हरित पट्टी और वृक्षारोपण का विकास।</li> </ul>
6.	सीमेंट पैकिंग – प्रेषण	एग्जॉस्ट फैन और सीमेंट ग्राइंडिंग के कारण शोर उत्पन्न होता है।	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्रोत उत्पादन के निकट शोर के स्तर में वृद्धि</li> <li>श्रवण दोष</li> <li>अन्य स्वास्थ्य प्रभाव</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>उच्च ध्वनि क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए ईयरमपस/इयरप्लग।</li> <li>मशीनरी का उचित स्नेहन और रखरखाव।</li> <li>संयंत्र परिसर के भीतर हरित पट्टी और वृक्षारोपण का विकास।</li> <li>कार्यकर्ता की आवधिक व्यावसायिक स्वास्थ्य निगरानी।</li> </ul>
	सीमेंट पैकिंग – प्रेषण	फ्यूजीटीवधूल उत्सर्जन	<ul style="list-style-type: none"> <li>क्षेत्र स्रोत –वायु वातावरण में धूलकणों की मात्रा में वृद्धि</li> <li>सांस की बीमारियों</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>धूल हटाने की व्यवस्था।</li> <li>गिरा हुआ सीमेंट एकत्र किया गया और प्रक्रिया में पुनर्नवीनीकरण किया गया।</li> <li>सभी सामग्री स्थानांतरण बिंदुओं पर बैग फिल्टर की स्थापना।</li> <li>हरित पट्टी और वृक्षारोपण का विकास।</li> <li>कर्मचारी को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (चश्मे, मास्क, जूते, दस्ताने, हेलमेट, ईयर प्लग आदि)।</li> <li>आवधिक व्यावसायिक स्वास्थ्य निगरानी।</li> </ul>

xi) **प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना**

मेसर्स एसीसी लिमिटेड के पास संयंत्र स्थल पर एक आपातकालीन योजना (ऑनसाइट और ऑफसाइट) होगी। जोखिम मूल्यांकन के संबंध में उपयुक्त जोखिम नियंत्रण उपायों को लागू किया जाएगा ताकि जोखिम को स्वीकार्य स्तर तक कम किया जा सके। नियमित प्रशिक्षण, एसओपी का कार्यान्वयन और प्रासंगिक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का अनुपालन स्वास्थ्य खतरों और आकस्मिक हाताहतों को कम करने में मदद करेगा।



प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – विलंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)

ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप

xii) जनसुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे (यदि लागू हो) और जवाब दिया गया।

प्रस्तावित परियोजना के लिए जन सुनवाई अभी बाकी है।

xii) प्रस्तावित व्यय के साथ सामाजिक-आर्थिक विकास योजना

एम.ओ.ई.एफ.सी.सी. के दिनांक 30 सितंबर, 2020 के कार्यालय ज्ञापन और 20 अक्टूबर, 2020 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दों के आधार पर सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक गतिविधियां तैयार की जाएंगी। जिसे ईएमपी में संबोधित किया जाएगा और प्रस्तावित परियोजना की शुरुआत के साथ समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

xiii) व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय

धूल	<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्याप्त धूल नियंत्रण प्रणाली और अच्छी हाउसकीपिंग का कार्यान्वयन।</li> <li>उन जगहों पर पानी का छिड़काव जहां धूल का फैलाव हो सकता है।</li> <li>संयंत्र परिसर के भीतर सड़कों की नियमित सफाई</li> <li>हैंडलिंग और स्टोरेज यार्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को डस्ट मास्क प्रदान करना।</li> <li>आवधिक कार्य क्षेत्र की निगरानी</li> </ul>
ध्वनि	<ul style="list-style-type: none"> <li>मशीनरियों का उचित रखरखाव।</li> <li>बंद भवनों में कम्प्रेसर और डीजी सेट की स्थापना।</li> <li>ध्वनिस्तर की नियमित निगरानी।</li> <li>अनुमतिस्तर के साथ शोर स्तर का प्रदर्शन।</li> <li>उच्च शोर स्तर वाले क्षेत्र में पीपीई का उपयोग करने के लिए निर्देश प्रदर्शन।</li> <li>उच्च शोर वाले क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए समय-समय पर ऑडियोमेट्री एवं स्वास्थ्य जांच।</li> </ul>
गर्मी का तनाव	<ul style="list-style-type: none"> <li>दिन के ठंडे हिस्से में गर्मी युक्त कार्य का निर्धारण।</li> <li>उन श्रमिकों की निगरानी जिन्हें गर्मी के तनाव का खतरा है।</li> <li>पानी के ब्रेक के साथ आराम की अवधि प्रदान करना।</li> <li>व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग</li> </ul>
विद्युत खतरे	<ul style="list-style-type: none"> <li>आई एस 3043 के अनुसार उचित अर्थिंग किया जाएगा</li> <li>कम वोल्टेज की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी</li> <li>आइसोलेटिंग ट्रांसफॉर्मर</li> <li>डबलइंसुलेटेड टूल्स</li> <li>ओवरलोड प्रोटेक्शन</li> <li>लीकेज के खिलाफ संरक्षण (जी.एफ.सी.आई.)</li> <li>पलैम-प्रूफ उपकरण</li> <li>थंबजली संरक्षण</li> <li>स्थिर बिजली से सुरक्षा और सुरक्षित रूप से सीढ़ी और मंचान का उपयोग करना</li> </ul>
अग्नि और विस्फोट	<ul style="list-style-type: none"> <li>उपयुक्त विस्फोट अग्निशामक यंत्र, आग की बाल्टी और अग्नि हाइड्रेंट प्रणाली। ऑयल और फायर बकेट में ड्राई पावर टाइप ट्रांसफॉर्मर, केबल, जनरल स्टोर और ऑफिस एरिया के पास रखा जा रहा है। कोयला, विलंकर भंडारण क्षेत्र सहित संयंत्र क्षेत्र में सभी स्थानों पर हाइड्रेंट लाइन। प्लांट के मेन गेट पर फायर टेंडर तैयार रखना है।</li> </ul>

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – किलंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<p>ड्राफ्टईआईए./ईएमपी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</p>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• तेल और ज्वलनशील गैसों के भंडारण क्षेत्र की घेराबंदी और उसे आग खतरनाक क्षेत्र-धूम्रपान निषेध क्षेत्र घोषित किया जाएगा।</li> <li>• तेल, गैस, कोयला और बैग गोदाम के क्षेत्र में वेल्डिंग / गैस कटिंग का उपयोग करने के लिए परमिट और सुरक्षा निर्देश किया जाएगा।</li> <li>• अलार्म देने और सिस्टम को ट्रिप करने के लिए ट्रांसफॉर्मर में प्रेडिक्टिव इंटरलॉक।</li> <li>• सभी ट्रांसफार्मर को अलग करने के लिए ईट की दीवारों की पर्याप्त ऊंचाई, ट्रांसफार्मर से तेल रिसाव के भंडारण के लिए सोक पिट दिया जाएगा।</li> </ul>
अन्य खतरे	<ul style="list-style-type: none"> <li>• साइलो और इमारतों की संरचनात्मक सुदृढता।</li> <li>• सभी ऊंचे भवनों में लाइट अरेस्टर लगाना।</li> <li>• सुरक्षा बेल्ट आदि का उपयोग करने के लिए कार्य निर्देश के साथ ऊंचाई पर काम करने के लिए ले जाने का परमिट।</li> <li>• विफलता से बचने के लिए सभी लिफ्टिंग टूल्स, टैकल और प्रेशर वेसल का परीक्षण।</li> <li>• एयर रिसीवर में सुरक्षित कामकाजी दबाव बनाए रखा।</li> <li>• क्रेन और रस्सियों आदि पर सुरक्षित कार्य भार।</li> <li>• संयंत्र क्षेत्र के अंदर अच्छी हाउसकीपिंग और वाहनों की गति सीमा 10 किमी/घंटा होगी।</li> <li>• सभी उपयुक्त स्थान पर आपातकालीन नंबर का प्रदर्शन।</li> <li>• प्लांट के मुख्य द्वार पर हर समय फायर टेंडर, एम्बुलेंस और इमरजेंसी स्टाफ तैयारकिया जाएगा।</li> <li>• प्राथमिक चिकित्सा किट और साइटपर प्रशिक्षण दिया जाएगा।</li> <li>• वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग, शराब, धूम्रपान आदि संयंत्र क्षेत्र के अंदर प्रतिबंधित किया जाएगा।</li> <li>• संयंत्र क्षेत्र, कार्यालय और सड़क क्षेत्र में उचित प्रकाश व्यवस्था और रोशनी।</li> </ul>

xiv) परियोजना के बाद निगरानी योजना

क्रमांक	विवरण	निगरानी की आवृत्ति	स्थान
1	मौसम संबंधी निगरानी	प्रति घंटा	प्लांट साइट
2	परिवेशी वायु गुणवत्ता	सप्ताह में दो बार/वार्षिक/ऑनलाइन निगरानी	प्लांट बाउंड्री पर, अपविंड और डाउनविंड दिशा में और ईसी/ सीटीओ शर्तों के अनुसार
3	फ्यूजिटिव उत्सर्जन निगरानी	त्रैमासिक	सीमेंट मिल, पैकिंग प्लांट, कच्चा माल हैंडलिंग क्षेत्र और कोयला यार्ड
4	स्टैक उत्सर्जन निगरानी	मासिक/वार्षिक और सतत ऑनलाइन निगरानी	कच्चा मिल/भट्टा, कोयला मिल, सीमेंट मिल, किलंकर कूलर, सीमेंट मिल
5	जल गुणवत्ता और स्तर	सीजीडब्ल्यूए एनओसी . के अनुसार	आसपास के भूजल स्रोत और सीटीओ शर्तों के अनुसार
6	अपशिष्ट जल निगरानी	मासिक और सीटीओ के अनुसार	एसटीपी का इनलेट और आउटलेट
7	भूजल स्तर	सीजीडब्ल्यूए एनओसी . के अनुसार	आसपास के भूजल स्रोत और सीजीडब्ल्यूए एनओसी . के अनुसार
8	ध्वनिस्तर की निगरानी	मासिक/ सीटीओ के अनुसार	संयंत्र की सीमा, संयंत्र की सीमा के भीतर और सीटीओ शर्तों के अनुसार उच्च शोर पैदा करने वाले क्षेत्र।

<p>प्रस्तावित एकीकृत सीमेंट परियोजना – क्लंकर (3.3 एमटीपीए), सीमेंट (1.0 एमटीपीए), सीपीपी (30 मेगावाट), डब्ल्यूएचआरएस (17 मेगावाट) और डी.जी. सेट (2 x 2000 केवीए और 1 x 500 केवीए)  ग्राम:गोदाडीह, बोराडीह और लोहारसी, तहसील: मस्तूरी, जिला: बिलासपुर (छत्तीसगढ़)</p>
<i>ड्राफ्टई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट का कार्यकारिणी संक्षेप</i>

क्रमांक	विवरण	निगरानी की आवृत्ति	स्थान
9	कर्मचारी की चिकित्सा जांच	वार्षिक या कारखाना अधिनियम के अनुसार	स्वास्थ्य प्रबंधन केंद्र
10	एपीसीई/पर्याप्तता अध्ययन का प्रदर्शन मूल्यांकन	छह मासिक	एपीसीई की रॉ मिल/भट्टा, कोयला मिल, सीमेंट मिल, क्लंकर कूलर की इनलेट और आउटलेट धूल।

